पुस्तकालय

(1)
3254
28/2/13

सत्यमेव जयते

असंशोधित

22 FEB 2013

बिहार विधान–सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

(भाग–1 कार्यवाही प्रश्नोत्तर)

प्रतिवेदन शाखा
गै०स०प्रे०सं० 170 तिथि 28-2-13

बि०स०मु०(एल०ए०वादवृत्त),183–मो०एल०–1,500

तारांकित प्रश्न सं०-३३२-श्री अरूण कुमार सिन्हा का पूरक

श्री संजय सिंह टाईगर : अध्यक्ष महोदय, मैंने उपकरण नहीं है ऐसा कभी नहीं कहा, उपकरण हैं डाक्टर नहीं है यह मैंने कहा और मेरा उधर से जाने आने का रास्ता है, वहां की सारी जानकारी हमको होती है, जाता नहीं हूँ और भगवान न करे कि वहां किसी को जाना पड़े तो माननीय मंत्रीजी, जो वहां जाते हैं उनकी व्यवस्था ठीक हो जाय, उनका इलाज ठीक से हो जाय।

अध्यक्ष : माननीय मंत्रीजी आपको भी वहां जाने के लिए कह रहे हैं। शांति-शांति। प्रश्न अति संवेदनशील है माननीय मंत्रीजी गंभीरता से इसको देखवा लीजिएगा।

तारांकित प्रश्न सं०-३३३-श्री शैलेश कुमार-अनुपस्थित

तारांकित प्रश्न सं०-३३४-श्रीमती नीता चौधरी-अनुपस्थित

तारांकित प्रश्न सं०-३३५-श्री सुरेश चंचल-अनुपस्थित

तारांकित प्रश्न सं०-३३६-श्री अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय

श्री अश्विनी कुमार चौबे,मंत्री : महोदय, उत्तर अंशतः स्वीकारात्मक है। वस्तुस्थिति यह है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, कुचायकोट में सांप काटने पर दी जानेवाली भैक्सीन ए०बी०एस० उपलब्ध है। दिनांक २२.०१.१३ से कुत्ता, बिल्ली, सियार आदि के काटने पर दी जानेवाली ए०आर०वी० भैक्सीन उपलब्ध नहीं है। जिसकी आपूर्ति प्राप्त करने की कार्रवाई की जा रही है।

श्री अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्रीजी से जानना चाहता हूँ कि स्वास्थ्य समिति द्वारा सदर अस्पताल से प्रवृत्त स्वास्थ्य केन्द्र में चालू वित्तीय वर्ष में कितना सांप, कुत्ता, बिल्ली आदि काटने पर दी जानेवाली भैक्सीन उपलब्ध करायी जाती है और किस तिथि से सी०एस० गोपालगंज द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को कितना क्षमता में भैक्सीन उपलब्ध करायी जाती है ?

श्री अश्विनी कुमार चौबे, मंत्री : महोदय, प्रश्नकर्त्ता का यह प्रश्न तो इसमें नहीं है जो हम तैयार करके ले आते, लेकिन आपको तैयार करके हम दे देंगे। महोदय, उनको हम दे देंगे। मुख्य रूप से जो इन्होंने सांप काटने की दवा है ए०वी०एस० वह बहुत पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, उसमें कहीं कोई दिक्कत नहीं है। रही बात कि ए०आर०वी० जो बिल्ली और कुत्ता या सियार के काटने पर जो होता है तो उसके लिए ए०आर०वी० की आपूर्ति हेतु मे० इंडियन इम्नोलॉजिकल लि०कं० को २२ लाख ९३ हजार २०० रूपये का बैंक ड्राफ्ट दिया गया है और उसके द्वारा ९५ फाइल दवा की आपूर्ति कर दिया गया है, शेष फाइल एक सप्ताह में आपूर्ति करने का वादा किया है।

श्री अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय : अध्यक्ष महोदय, यह कोई जवाब नहीं है, अगर करायी गयी है तो इसकी जाँच होनी चाहिए कि कितनी दवा उपलब्ध रहती है और कौन सी दवा उपलब्ध रहती है, इसलिए क्योंकि कुचायकोट से गोपालगंज की दूरी कम से कम २० कि०मी० है और रात में कुत्ता और बिल्ली काटने के समय में दवा उपलब्ध नहीं रहती है इसलिए उसकी जाँच करायी जाय कि दवा रहती है कि नहीं रहती है।

अध्यक्ष : माननीय मंत्रीजी ने बहुत स्पष्ट तौर से आपको जवाब दिया है कि अभी उपलब्ध नहीं- (व्यवधान) क्या आप ये चाहते हैं कि वर्ष २०१२-१३ का या २०११-१२ का आप चाहते हैं कि कितना वहां दिया गया इसका आंकड़ा चाहते हैं ?

श्री अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय : अध्यक्ष महोदय, हम यह चाहते हैं कि २०१२-१३ में कितनी दवा उपलब्ध करायी गयी है और रहती है कि नहीं रहती है दवा इसकी जाँच करायी जाय।

अध्यक्ष : ठीक है, माननीय मंत्रीजी इसका जवाब आपको.....

श्री अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय : अध्यक्ष महोदय, तो मंत्रीजी कहां इसका जवाब देते हैं।

अध्यक्ष : नहीं अभी उपलब्ध नहीं है, भेजवा देंगे आपको।

श्री मंजीत कुमार सिंह : महोदय, यह गंभीर विषय है और माननीय सदस्य जिस जिला से हैं उस जिला से हम भी हैं और किसी भी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में ये भैक्सीन नहीं है जबकि हमलोगों की जानकारी में है महोदय कि राज्य स्वास्थ्य समिति के द्वारा सदर अस्पताल में सारे दवा उपलब्ध कराये जाते हैं और वहां से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को डिस्ट्रीब्यूट होना है तो माननीय प्रश्नकर्त्ता ने स्पष्ट रूप से यह जानने का प्रयास किया कि वित्तीय वर्ष २०१२-१३ में कितने भैक्सीन उपलब्ध कराये गये और उस अस्पताल को कितना प्राप्त हुआ ? ये मंत्री जी जवाब नहीं दे रहे हैं।

अध्यक्ष : माननीय मंत्रीजी ने कहा कि अभी उत्तर तैयार नहीं है इसको भेजवा देंगे।

श्री मंजीत कुमार सिंह : अध्यक्ष महोदय, ये प्रश्न आम जनता से जुड़ा हुआ है इसको तब स्थगित कर दीजिए क्योंकि ये मामला गंभीर है।

श्री भाई वीरेन्द्र : केवल भागलपुर में एक्सपायर कर रहा है वो दवा।

श्री मंजीत कुमार सिंह : जब जवाब नहीं है तो इसको स्थगित कर दिया जाय।

अध्यक्ष : आप इसको दूसरे स्वरूप में आगे लाइयेगा।

श्री राजेश सिंह : अध्यक्ष महोदय, हमलोग आपसे संरक्षण चाहते हैं कि आखिर इतना गंभीर विषय है और इस तरह की तैयारी करके माननीय मंत्रीजी आ रहे हैं, कैसे काम चलेगा।

(व्यवधान)

श्री अब्दुल बारी सिद्दिकी,ने०वि०द० : महोदय, माननीय विधायक का कहना है अपने प्रश्न के मार्फत से कि वहां दवा नहीं है और माननीय मंत्रीजी कह रहे हैं कि वहां दवा उपलब्ध कराये हैं तो माननीय सदस्य ने जो चुनौती दी तो मेरा आपसे अनुरोध होगा कि इसको प्रश्न एवं ध्यानाकर्षण समिति में भेजकर इसकी जाँच करा लें।

अध्यक्ष : दूसरे स्वरूप में ले आएं इसको.....

श्री अब्दुल बारी सिद्दिकी,ने०वि०द० : लेकिन वे तो चुनौती दे रहे हैं कि नहीं है दवा।

श्री अश्विनी कुमार चौबे,मंत्री : प्रश्न देखा जाय महोदय, प्रश्न स्पष्ट है मैंने स्पष्ट कहा है कि जो सांप काटनेवाली दवा है वह है और वह दिया जा रहा है। जहां तक ए०आर०वी० का सवाल है कुत्ता और सियार काटने का वह पिछले कुछ दिनों से नहीं उपलब्ध हो रहा है जो कि ड्राफ्ट से मंगा दिया गया है महोदय तो फिर इसमें प्रश्न का जवाब कहां बनता है।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, आप दूसरे स्वरूप में इसको ले आइयेगा आसन उसको देखेगा।

श्री अब्दुल बारी सिद्दिकी,ने०वि०द० : महोदय, आप प्रश्न देखिए- इन्होंने साफ कहा है कि सांप, कुत्ता-कुत्ता काटने का ये कह रहे हैं कि है और अब माननीय सदस्य कह रहे हैं कि नहीं है।

श्री अश्विनी कुमार चौबे,मंत्री : हम उसको देखवा लेंगे, हम अगले बार देंगे, हम पूरा जवाब देंगे, उसमें क्या दिक्कत है। ये जिस प्रकार का बात पूछे हैं तो हम दूसरे तिथि में पूरा जवाब देंगे, देने के लिए तैयार हैं।

श्री अब्दुल बारी सिद्दिकी,ने०वि०द० : तो इस प्रश्न को स्थगित कर दीजिए।

अध्यक्ष : ठीक है। माननीय मंत्री जी के आश्वासन पर इस प्रश्न को स्थगित किया जाता है।

तारांकित प्रश्न सं०-३३७-श्री वैद्यनाथ सहनी- अनुपस्थित

तारांकित प्रश्न सं०-३३८-डा० दाउद अली

श्री अश्विनी कुमार चौबे,मंत्री : महोदय, उत्तर अस्वीकारात्मक है। वस्तुस्थिति यह है कि अनुमंडलीय अस्पताल में हार्ट स्पेशलिस्ट एवं आइ०सी०यू० का प्रावधान नहीं है, किन्तु ऐसे मरीजों की चिकित्सा योग्य चिकित्सकों द्वारा की जाती है एवं आवश्यकतानुसार उन्हें संबंधित संस्थानों को रेफर किया जाता है।

डा० दाउद अली : अध्यक्ष महोदय, मैं चाहता हूँ कि डुमरावं अनुमंडलीय अस्पताल हार्ट रोगियों के इलाज के लिए कोई व्यवस्था माननीय मंत्री द्वारा वहां की जाती है, चूंकि रेफर करने की व्यवस्था तो है ही, रेफर तो दिल्ली भी होता है और पटना भी होता है, मगर मैं वहां इलाज चाहता हूँ कि हार्ट स्पेशलिस्ट डाक्टर रहें, आइ०सी०यू० की व्यवस्था हो और वहां के हार्ट मरीजों का इलाज स्थानीय स्तर पर वहां हो सके इसकी व्यवस्था माननीय मंत्री वहां करना चाहते हैं या नहीं चाहते हैं ?

श्री अश्विनी कुमार चौबे,मंत्री : महोदय, बिहार में हमलोगों ने सभी जिला अस्पतालों में आइ०सी०यू० और हार्ट के बारे में- जो हार्ट स्पेशलिस्ट की ट्रेनिंग दिलाकर के वहां पहले व्यवस्था हमलोग करा रहे हैं और उसके बाद फिर भविष्य में अनुमंडलीय अस्पताल का आयेगा इसलिए अभी तत्काल कोई प्रस्ताव तुरंत नहीं है।